

आईआईएम के नए भवन का पोखरियाल ने किया ई-उद्घाटन



- स्वागत**
- ◆ नामांकन अनुपात बढ़ाने आईआईएम का योगदान महत्वपूर्ण
 - ◆ पीजीपी के 11वें बैच एवं एफपीएम के 9वें बैच के छात्रों का भी किया गया स्वागत
 - ◆ नवभारत रिपोर्ट | रायपुर.
www.navabharat.org
- भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रायपुर में मंगलवार को पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट

(पीजीपी) के 11वें बैच एवं फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) के 9वें बैच के छात्रों का ऑनलाइन मोड पर स्वागत किया गया. इसके साथ ही शैक्षणिक संकाय भवन का भी ई-उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री भारत सरकार डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', रायपुर सांसद सुनील कुमार सोनी, अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू के साथ बोर्ड के सभी सदस्यों का आईआईएम डायरेक्टर प्रो. भारत भास्कर ने अभिवादन किया. मुख्य अतिथि डॉ. पोखरियाल ने नए

प्रथम पृष्ठ के शेष

नामांकन अनुपात बढ़ाने...

बैच के छात्रों का स्वागत करते हुए भव्य नए संकाय भवन और साथ ही आईआईएम रायपुर के शैक्षणिक भवन का ऑनलाइन उद्घाटन किया. उन्होंने जीवन-पर्यंत शिक्षा एवं विकास, समाज के प्रति सकारात्मक कार्य और लीडरशिप गुण विकसित करने के संस्थान के प्रयास की सराहना की. शिक्षामंत्री ने उल्लेख किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य पाठ्यक्रम और शिक्षण विधि की संरचना को सुधारते हुए हमारे देश को ज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनाना है. यह शिक्षा के सभी स्तरों पर तकनीकी ज्ञान के एकीकरण को

बढ़ावा देता है. उन्होंने बताया कि कैसे प्रशासन वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक लाना चाहता है और इस नीति लक्ष्य को प्राप्त करने में आईआईएम जैसे संस्थानों को भी आगे बढ़कर अपना महत्वपूर्ण योगदान देना है. 70 छात्रों से हुई थी आईआईएम की शुरुआत- कार्यक्रम में श्रीमती श्यामला गोपीनाथ चेरपरर्सन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स आईआईएम ने कहा कि आईआईएम रायपुर के प्रमुख कार्यक्रम पीजीपी (अब एमबीए) की शुरुआत 70 छात्रों से हुई और 2020 में 263 छात्रों ने प्रवेश लिया. संस्थान का पीएचडी कार्यक्रम 2012-13 में शुरू हुआ

जहां 80 छात्रों और 20 छात्रों ने सफलतापूर्वक स्नातक कर लिया है. उन्होंने कहा कि आईआईएम रायपुर में पीजीपी का शुल्क अन्य समकालीन आईआईएम में सबसे कम है जो वर्ष 2010 में शुरू हुए थे.